दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्स, दोइमुख

ईटानगर

स्नातक कला पाठ्यक्रम

हिन्दी

वर्ष २०१४-१५ से प्रभावी

दूरस्थ शिक्षा विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

स्नातक कला हिन्दी पाठ्यक्रम

वर्ष २०१४-१५ से प्रभावी

प्रथम वर्ष	BHIN-101	सामान्य हिन्दी-१
द्वितीय वर्ष	BHIN-102	सामान्य हिन्दी-२
तृतीय वर्ष	BHIN-103	हिन्दी गद्य
चतुर्थ वर्ष	BHIN-104	भारतीय काव्यशास्त्र और भाषा विज्ञान

स्नातक कला- प्रथम वर्ष

हिन्दी स्नातक BHIN-101

सामान्य हिन्दी- एक

यह प्रश्नपत्र प्रथम वर्ष में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र पांच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ **हिन्दी साहित्य का इतिहासः** हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण; आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की परिस्थितियां एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ **कविता**

पाठ्य-पुस्तक : काव्य गौरव; सम्पा.- रामदरश मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

० कबीरदास : पाठ्य-अंश- साधु को अंग।

आलोचना- भक्ति एवं सामाजिक पक्ष।

० सूरदास : पाठ्यांश- विनय के पद तथा वात्सल्य (गोकुल लीला) से प्रथम तीन पद।

आलोचना- वात्सल्य एवं भक्ति।

० जायसी : पाठ्यांश- पदमावत : उपसंहार खण्ड; प्राचीन काव्य संग्रह, सम्पा.- राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

० तुलसीदास : पाठ्यांश- पद संख्या १, ६ एवं ८।

आलोचना- भक्ति-भावना एवं समन्वयवाद।

इकाई : ३ **कविता**

० मीराबाई : मीराबाई की पदावली; सम्पा.- परशुराम चतुर्वेदी; पद संख्या- १०, १७, १८, ३५।

आलोचना- मीरा की भक्ति एवं विद्रोह भाव

० बिहारीलाल : पाठ्यांश- भक्तिः दोहा संख्या- १, ५, ६; नीति- २, ३; नायिका वर्णन- २, ४ तथा विरह- ५।